Curriculum Sheet – 2018 – 19

विषय हिन्दी – व्याकरण

कक्षा– V

Concept	Objectives (सामान्य उद्देष्य)	Skills	Learning Style	Sub Integration	Out Come	Evaluation
पाठ 1–भाषा, लिपि और व्याकरण पाठ 2– वर्ण, मात्रा, षब्द पाठ 3 – संज्ञा पाठ 4 – लिंग पाठ 5 – वचन पाठ 6 सर्वनाम पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, चित्र वर्णन अपठित गद्यांष षब्द भण्डार पर्यायवाची, विलोम, वाक्यांष के लिए एक षब्द,	I. षुद्ध वर्तनी ज्ञान, II. व्याकरण के नियमों का ज्ञान III. शब्द ज्ञान भण्डार में वृद्धि, IV. भाषा के शुद्ध वाचन, पठन व लेखन का ज्ञान। V. व्याकरण के ज्ञान से छात्रों में भाषा के प्रतिरूचि बढ़ाना, जागरूकता लाना तथा भाषा के महत्व को समझाना। <u>विशिष्ट उद्देश्य</u> I. विभिन्न वैयाकरणिक कोटियों का ज्ञान। II. तरह–तरह के पाठों के संदर्भ में भाषा क्या है, लिपि क्या है। उसको जानना III. वर्णो को पहचान तथा स्वर तथा व्यंजनों में अन्तर समझना तथा व्यंजनों के वर्ग पहचानना। IV. कक्षा में संज्ञा, लिग वचन की पहचान तथा उनका व्यवहारिक प्रयोग करना।	<u>श्रवण – कौशल</u> निहित कार्यो को छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर समझ सकेगा। भाषा का उचित प्रयोग कर सकेगा। <u>भाषण कौशल</u> बातचीत करते समय उचित लिंग तथा वचन का प्रयोग कर सकेगा, विभिन्न पर्यायों का प्रयोग कर सकेगा। <u>वाचन – कौशल</u> निहित कार्यो का शुद्ध वाचन कर सही ढंग से उपयोग करेगा। बात को विस्तार से न कह कर वाक्याँश के लिए एक शब्द का प्रयोग करेगा। अपठित गद्यांश को पढकर अर्थ समझ सकेगा। <u>लेखन – कौशल</u> व्याकरण का प्रयोग कर भाषा को समझ कर प्रभावी ढंग से आप भाव व्यक्त कर अनुच्छेद व पत्र लेखन कर सकेगा। चित्र देखकर सुन्दर वाक्यों	**<u>Lingustic :-</u>** पठन – पाठन के अन्तर्गत नए–नए शब्दों पर्यायों का प्रयोग करेगें। संज्ञा के स्थान पर उचित सर्वनाम का प्रयोग करेगें। पाठ में आए शब्दों के पर्याय, विलोम, वचन तथा वाक्याँश की सूची बनाएँगे। **<u>Kinesthetic :-</u>**हाव भाव से अपने विचार व्यक्त करते समय व्यवहारिक व्याकरण का प्रयोग करेंगें। कक्षा में अपने शब्दों में कहानी सुनाएँगें। **<u>Interpersonal:-</u>**अर्जित ज्ञान से आपस में बातचीत करते समय सही शब्दों तथा उचित शैली का प्रयोग करेंगें। **<u>Logic Smart :-</u>**व्याकरण के नियमों को जानकर यथास्थान पर्यायों, लिंग तथा वचन में अन्तर समझ सकेंगे। **<u>Self Smart :-</u>**निर्धारित व्याकरण का प्रयोगिक रूप में प्रयोग कर सकेंगं तथा आत्मविश्वास प्राप्त कर बात	Eng – Alphabet Consonant, Vowels, Synonyums, Letter writing, Picture Composition, Drawing- चित्र बनाना ,	व्याकरण का प्रयोग कर भाषा को प्रभावी ढंग से प्रयोग में लाएँगे। वाक्य निर्माण करते समय विभिन्न वैयाकरणिक शब्दों का प्रयोग करेंगे। व्याकरण का प्रयोग कर साहित्य को समझ सकेंगे। पत्र लेखन तथा अनुच्छेद लेखन के समय अपने विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त कर वाक्य निर्माण कर सकेगें। छात्र निर्धारित व्याकरण को सैद्धान्तिक रूप से समझ कर प्रयोगिक रूप में उसका प्रयोग करेगें।	छोटी – छोटी लिखित व मौखिक परिक्षाओं के द्वारा मूल्याँकन किया जाएगा। चित्र दिखाकर वाक्य निर्माण के द्वारा – मूल्याँकन। अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के माध्यम से मूल्याँकन । गद्यांश से पर्याय, लिंग , वचन पूछना। पत्र लेखन में शीर्षक देकर उसके प्रारूप तथा विषय वस्तु का मूल्याँकन। दिए गए शीर्षक पर अनुच्छेद लेखन । मूल्याँकन के समय उनकी प्रत्येक गतिविधि का निरीक्षण किया जाएगा।

	V. सर्वनाम जानना तथा उसके भेदों का ज्ञान करवाना। **VI.** शब्दों के विभिन्न पर्याय जानना, विलोम शब्दों की जानकारी तथा बात को प्रभावों व लघु बनाने के लिए वाक्याँश के लिए एक शब्द का प्रयोग करना आना। **VII.** वाक्यों का प्रभावी ढंग से बोलना व लिखना आना तथा भाषा में उनका उपयोग करना।	की संरचना करेंगे।	को प्रभावी बना सकेगें। **Picture Smart :-**चित्र देख कर वाक्यों का निर्माण कर सकेगें।			

Curriculum Sheet – 2018 – 19

विषय हिन्दी – व्याकरण

कक्षा – V

Concept	व्इरमबजपअमे (सामान्य उद्देष्य)	Skills	Learning Style	Sub Integration	Out Come	Evaluation
विशेषण, क्रिया, काल, विराम चिह्न पत्र लेखन अनुच्छेद लेखन चित्र वर्णन अपठित गद्याँश विशेषण –	**1. षुद्ध वर्तनी का ज्ञान,** **2. व्याकरण के नियमों का ज्ञान** **3. षब्द ज्ञान भण्डार में वृद्धि,** **4. भाषा के शुद्ध वाचन, पठन व लेखन का ज्ञान।** **5. व्याकरण के ज्ञान से छात्रों में भाषा के प्रतिरूचि बढ़ाना, जागरूकता लाना तथा भाषा के महत्व को समझाना।** **<u>विशिष्ट उद्देश्य</u>** **1.विभिन्न व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान,** **2.तरह–तरह के पाठों के संदर्भ में वाक्य में विशेषण की पहचान करना,** **3. क्रिया तथा काल की पहचान। क्रिया देखकर छात्र पहचान कर सकेगें कि वाक्य भूतकाल, वर्तमान काल या भविष्यत् काल में हैं।**	<u>श्रवण – कौशल</u> निहित कार्यो को छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर समझ सकेगा। भाषा का उचित प्रयोग कर सकेगा। <u>भाषण कौशल</u> संज्ञा शब्दों के साथ विशेषण का प्रयोग कर भाषा को प्रभावी बना सकेगा। बातचीत के दौरान विभिन्न पर्यायों , विराम चिह्नों का उपयोग कर अपने विचारों को प्रभावी ढंग से बोल सकेगा। <u>वाचन</u> निहित कार्यो का शुद्ध वाचन कर सही ढंग से उपयोग करेगा। बात को विस्तार से न कह कर वाक्याँश के लिए एक शब्द का प्रयोग करेगा। अपठित गद्यांश को पढ कर अर्थ समझ सकेगा। <u>लेखन</u> व्याकरण का प्रयोग कर भाषा को समझ कर प्रभावी ढंग से अनुच्छेद लेखन व पत्र लेखन	**<u>Lingustic :-</u>** पठन – पाठन के अन्तर्गत नए–नए शब्दों पर्यायों का प्रयोग करेगें। संज्ञा में उचित विशेषण लगाएँगे। पाठ में आए शब्दों के पर्याय, विलोम, वचनों तथा विशेषणों की सूची बनाएँगे। **<u>Kinesthetic :-</u>**हाव भाव से अपने विचार व्यक्त करते समय व्यवहारिक व्याकरण का प्रयोग करेंगें। कक्षा में कोई ऐसी कहानी सुनाएँगे जिसमें तीनों कालों का प्रयोग हुआ हो।। **<u>Interpersonal:-</u>**अर्जित ज्ञान से आपस में बातचीत करते समय सही शब्दों तथा उचित शैली का प्रयोग करेंगें। **<u>Logic Smart :-</u>**व्याकरण के नियमों को जानकर यथास्थान पर्यायों, विराम चिह्नों तथा उचित विशेषणों का प्रयोग करेगें। **<u>Self Smart :-</u>**	Eng – Adjective, verb,synonyum, Tense, Puncuation etc. Letter writing , Drawing- चित्र बनाना	व्याकरण का प्रयोग कर भाषा को प्रभावी ढंग से प्रयोग में लाएँगे। वाक्य निर्माण करते समय विभिन्न व्याकरणिक शब्दों का प्रयोग करेंगे। विशेषण को उचित विशेष्य के साथ लगा सकेगें। पत्र लेखन तथा अनुच्छेद लेखन के समय अपने विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त कर वाक्य संरचना कर सकेगें। मुहावरों का अर्थ समझ कर उनका वाक्यों में प्रयोग करेगें। छात्र निर्धारित व्याकरण को सैद्धान्तिक रूप से समझ कर प्रयोगिक रूप में उसका प्रयोग करेगें।	छोटी – छोटी लिखित व मौखिक परिक्षाओं के द्वारा मूल्याँकन किया जाएगा। चित्र दिखाकर वाक्य निर्माण के द्वारा। अपठित गद्यांश देकर पूछे गए प्रश्नों से उत्तर द्वारा। गद्यांश में से विशेष शब्द का पर्यायवाची या विलोम पूछना। तीनों कालों के वाक्य देकर काल की पहचान का मूल्याँकन पत्र लेखन में शीर्षक देकर उसके प्रारूप तथा विषय वस्तु का मूल्याँकन। दिए गए शीर्षक पर अनुच्छेद लेखन का मूल्याँकन। मूल्याँकन के समय उनकी प्रत्येक गतिविधि का निरीक्षण किया जाएगा।

क्रिया – काल विराम चिह्न लिंग, वचन , पर्यायवाची शब्द , वाक्याँश के लिए एक शब्द	**4. वाक्य में लगे विराम चिह्नों की पहचान तथा विराम चिह्नों का उच्चारण करते हुए वाक्य को प्रभावी ढंग से बोलना व लिखना आना तथा भाषा में उनका उपयोग करना।** **5. भाषा में वाक्य निर्माण तथा उच्चारित करते समय लिंग तथा वचनों का प्रयोग करना। पर्यायवाची शब्दों व विलोम शब्दों की जानकारी देना। वाक्याँश के लिए एक शब्द का प्रयोग करना।**	करेगा। चित्र देखकर सुन्दर वाक्यों की संरचना करेगें।	निर्धारित व्याकरण का प्रयोगिक रूप में छात्र प्रयोग कर सकेगा। जैसे – वचन बदलों, क्रिया को पहचानना, काल को पहचानना तथा विराम चिह्नों का प्रयोग करना। **<u>Picture Smart :-</u>**चित्र देख कर वाक्यों की संरचना करेगें। पुस्तक में चित्र देखकर विशेषण बता सकेगे।			

St Albans School

Curriculum Sheet – 2018 – 19

विषय हिन्दी – व्याकरण   कक्षा – V

Subject – HINDI(गद्य) SAI – SA2

Concept	Objectives	Skills	Learning Styles	Activity	SubIntegration	Out Come	Assessment
गदय– ★ कहानी ★ एकांकी ★ पुरातत्व ★ संस्मरण ★ पत्र ★ बालक चंद्रगुप्त (ऐतिहासिक कहानी) पाठ – 2 ★ दोस्त का दोस्त अपना दोस्त (कहानी) पाठ – 3 ★ बुद्ध की करूण (एकांकी) पाठ – 4 ★ अजंता की गूँजती गुफा (पुरातत्व) पाठ – 6 ★ अब्बा (संस्मरण) पाठ – 7 ★ वापू की पाती(पत्र)	**सामान्य उद्देश्य** रचनात्मकता का विकास, अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास, तर्क–वितर्क करने की क्षमता का विकास, अर्थबोध की क्षमता का विकास, पाठ के मूल–भाव को समझना एवं ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना। पाठ के मूल भाव से संबंधित अन्य कहानियों को सुनना एवं सुनाना **विशिष्ट उद्देश्य** **पाठ–2** :–अहिंसा, वीरता, साहस स्वतंत्रता का महत्त्व, त्याग, कर्मठता, सकारात्मकता लक्ष्य–निर्धारण एवं प्राप्ति विपत्तियों से जूझना **पाठ–3** :–पशु– प्रेम, संवेदनशीलता निर्भयता, रोमांच, प्रेम, स्नेह , आत्मरक्षा संकट का सामना दुश्मनों की समझ **पाठ–4** :–अहिंसा सत्य, परोपकार , सादगी त्याग, करूणा, मित्रता, पशु–पक्षियों के प्रति प्रेम, शांति, वसुधैव कुटुंबकम् , अडिगता , प्राण रक्षा **पाठ–6** :–शिल्प, स्थापत्य,सौंदर्यबोध, धर्म, अहिंसा, वैज्ञानिकता बौद्ध	★ पठन , वाचन, लेखन व श्रवण कौशल का विकास। ★ सामाजिक कुशलता एवं भावनात्मक कौशल का विकास ★ समालोचनात्मक चिंतन का विकास ★ सहानुभूति ाक विकास ★ निर्णय लेने की क्षमता का विकास ★ स्वयं की पहचान करने की योग्यता का विकास ★ चिंतन कौशल का विकास	Linguistic Interpersonal Kinesthetic/ Bodily Visual Logical Naturalistic Intrapersonal	पाठ पठन प्रश्नोत्तर पर चर्चा स्वानुभव प्रस्तुति ऐतिहासिक कहानी सुनाना नाट्य रूपांतर चित्र–वर्णन, कहानी को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करना श्रवण–कौशल मूल्यांकन, आलोचनात्क विवेचन समीक्षा प्रकृति का अवलोकन व उससे संबंधित कहानी/कविता/लेख आदि लिखना छात्र चंद्रगुप्त गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी आदि के विषय में बताएँगे मेरी दिल्ली–मेरी शान– अनुच्छेद लेखन विचार अभिव्यक्ति यदि गली का कुत्ता बोल पाता	**English –** जयशंकर प्रसाद धर्मवीर भारती की अन्य कहानियाँ **Science –** मेट्रो ट्रेन के चलने की पद्धति क्या करना चाहिए और क्या नहीं(do's and den'ts) **S.Science –** ★ चंद्रगुप्त के विषय में जानकारी ★ गौतम बुद्ध के विषय में ज्ञान ★ महातमा गाँधी का बचपन एवं उनके द्वारा किया गया देश के प्रति समाज कार्य। **Art –** Ajanta canes (The drawings and carvings)	विद्यार्थियों को शब्द–ज्ञान में वृद्धि, रचनात्मकता का विकास भाषा–ज्ञान की वृद्धि। लेखन और पठन–कौशल का विकास चिंतन–मनन की शक्ति का विकास। अभिनय कौशल का विकास। संवेदनशीलता का विकास। श्रवण–कौशल का विकास। ज्ञान को क्रियात्मक–रूप देने का विकास	★ श्रुतलेख द्वारा ★ सार–लेखन द्वारा ★ प्रश्नों के उत्तर बोलकर लिखने से मौखिक एवं लिखित दोनो आधारों पर मूल्यांकन होगा। इसके लिए संक्षिप्त विस्तृत एवं बहु–विकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगें। ★ नाटक – अभिनय में भाव –भंगिमाएँ संवाद वाचन, प्रस्तुति, विषय –वस्तु आदि के आधार पर मूल्यांकन होगा। ★ भाषिक–क्षमता के साथ–साथ उनकी तार्किकता, कल्पना–शक्ति, सृजनात्मकता ★ रचनात्मकता का मूल्यांकन अनुच्छेद – लेखन चित्र – वर्णन आदि में किया जाएगा।

पाठ –8	मत के बारे में जानकारी , विज्ञान और स्थापत्य का मेल **पाठ–7 :–** पारिवारिक संबंधों के विषय में जानकारी, संवेदना प्रेम, समर्पण, त्याग हास्य–विनोद, सेवा–भाव, मातृ–पितृ प्रेम **पाठ–8 :–** आजादी का महत्त्व मितव्ययिता वस्तुओं का उपयोग, पारिवारिकता स्नेह, मित्रभाव, लोकतंत्र की भावना, आपसी संबंध, विवेक, सुझाव			अजंता की गुफाएँ कब बनाई गई और क्यों बनाई गई और इनकी क्या विशेषताएँ हैं ? लेख लिखना। नैतिक मूल्यों से संबंधित कहानी वाचन। पुरानी संस्कृति से जोड़े रखना। लेखन कौशल में क्षमता बढेगी तथा नैतिक मूल्यों की जानकारी प्राप्त होगी।			

St. Albans School
Curriculum Sheet – 2018 – 19
Class & V
Subject – HINDI(पद्य खण्ड) SAI – SA2

Concept	Objectives	Skills	Learning Styles	Activity	Sub Integration	Out Come	Assessment
<u>पद्य खण्ड</u>– बढे चलो, बढे चलो पाठ – 1 हम तेरे अभारी मेट्रो पाठ – 5 चिट्ठी पाठ – 9 प्रभु तुम मेरे मन की जानो पाठ – 13	<u>सामान्य उद्देश्य</u> कविता का सस्वर वाचन, उचित लय एवं सुर का ज्ञान कठिन शब्दों का अर्थ, कविता के भाव को समझना कल्पना – शक्ति एवं सृजनात्मकता का विकास, तुकांत शब्दों एवं प्रवाह का ज्ञान। <u>विशिष्ट उद्देश्य</u> **पाठ–1 :–** छात्रों में सकारात्कमता एकजुटता, एकता विपत्तियों से जूझना, निडरता, अहिंसा, वीरता एवं स्वतंत्रता का महत्व **पाठ –5:–** यातायात के साधन परिवर्तन, अनुशासन नियम, सामाजिकता, विज्ञान के चमत्कार **पाठ–9 :–** मानवीय संबंध एवं संवेदनाएँ, प्रेम – स्नेह – अपनापन, सम्मान, संदेश भेजना, आदान – प्रदान	★ वाचन, लेखन कौशल का विकास। ★ संवेदनशीलता का विकास ★ सौन्दर्य–बोध एवं कविता का भाव समझना ★ उचित लय एवं सुर का ज्ञान ★ तुकांत शब्दों का ज्ञान ★ स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास ★ समाजिक कुशलता एवं भावनात्मक कुशलता का विकास	Linguistic Interpersonal Logical Naturalistic Visual Musical	स्वरचित कविता लेखन। कविता का भाव समझना, लिखना एवं सुनाना चर्चा – अपनी लगन और परिश्रम से सब कुछ आसान बनाया जा सकता है। संकट को चुनौती मानकर उसका सामना करना चाहिए मेट्रो ट्रेन – यातायात का आधुनिक साधन अनुच्छेद लेखन क्या ईमेल में पत्र जैसी भावना और मधुरता आ सकती हैं ? ईश्वर – प्रकृति के कण–कण में समाया हैं। कविता से संबंधित चित्र बनाना। छात्रों द्वारा उचित लय एवं स्वर में गायन ★ मेट्रो–ट्रेन से संबंधित अनुभवों को बताना।	**<u>English –</u>** निडरता एवं विपत्तियों से जूझने पर कुछ कविताओं का वाचन **<u>Science –</u>** Working of Metro **<u>S.Science –</u>** Origin of Letter	विद्यार्थियों में संवेदनशीलता का विकास होगा। कविता का भाव समझेंगे। अर्जित ज्ञान को क्रियात्मक रूप दे सकने में सक्षम होंगे। सृजनात्मकता एवं चिंतन–मनन की शक्ति का विकास होगा। समालोचनात्मक विवेचन करने का विकास होगा भाव–सौन्दर्य को समझ सकेंगे। स्वयं कविता – रचना की प्रेरण मिलेगी। तुकांत शब्दों का ज्ञान होगा। विद्यार्थियों में विचाराभिव्यक्ति की क्षमता का विकास होना। ★ अपने भावों को अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास होना। समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध होना। छात्रों की लेखन शक्ति का विकास वर्तनी में सुधार	कविता गायन का मूल्यांकन उचित उच्चारण, प्रवाहलय तथा आरोह–अवरोह के आधार पर किया जाएगा। काव्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर (लघु एवं दीर्घ) द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। स्वरचित कविता का मूल्यांकन विषय–वस्तु एवं वर्तनी के आधार पर किया जाएगा। तुकांत शब्दों को भी देखा जाएगा।

				अनुच्छेद लेखन द्वारा। ★ छुआ–छूत जाति –प्रथा आदि कुरीतियों को समाप्त करने मे आप क्या योगदान देंगे। विचाराभिव्यक्ति ★ पाठ–पठन, श्रुतलेख सुलेख, प्रशनोत्तर वाक्य संरचना अभ्यास सहित।		तथा वाक्य संरचना में सक्षम होगे।	